

डॉ. मार्व विल्सन, भविष्यवक्ता , सत्र 11, योना, आमोस

© 2024 मार्व विल्सन और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. मार्व विल्सन द्वारा भविष्यवक्ताओं पर दी गई शिक्षा है। यह सत्र 11 है, योना का समापन और आमोस की शुरुआत।

ठीक है, मैं शुरू करने के लिए तैयार हूँ।

आइए हम प्रार्थना करें। हे प्रभु, हम हर दिन आपके अनुग्रह और दया के लिए आपका धन्यवाद करते हैं। हम जीवन को नहीं समझते।

आप ज्ञान हैं। हम स्वीकार करते हैं कि हम अपने आस-पास चल रही हर चीज़ को समझने में असमर्थ हैं, लेकिन हम आपको धन्यवाद देते हैं कि हमें आप पर एक जीवित ईश्वर के रूप में विश्वास है। हम उस विश्वास का श्रेय नहीं लेते हैं, लेकिन स्वीकार करते हैं कि आप हमारे पास आए हैं, आपने खुद को हमारे सामने प्रकट किया है, और हम आपको धन्यवाद देते हैं कि इससे हमें जीवन की सबसे महत्वपूर्ण चीज़ों के बारे में निश्चितता मिलती है, कि आप प्रभारी हैं, कि आप हमें कहीं ले जा रहे हैं, कि आपका वचन, बार-बार, हमारे अपने अनुभव में सत्य साबित होता है।

और इसके लिए, हम आज आनन्दित हैं, और आज जब हम आपके साथ चल रहे हैं और इस सप्ताह अपने अध्ययनों को संबोधित कर रहे हैं, तो हम आपकी उपस्थिति के लिए प्रार्थना करते हैं। हम मसीह के नाम पर यह प्रार्थना करते हैं। आमीन।

मैं 237 के बाहर कोर्स के सभी ग्रेड को बुलेटिन बोर्ड के रूप में पोस्ट करूंगा, और मैं ऐसा आपके आईडी नंबर के अंतिम चार अंकों के आधार पर करूंगा। मैंने अपने पूरे जीवन में यही किया है, और मैं ऐसा करना जारी रखूंगा। यदि आप मेरे साथ अपनी प्रगति पर चर्चा करना चाहते हैं या अपनी किसी भी परीक्षा को देखना चाहते हैं, तो बेझिझक ऐसा करें।

अब, मुझे योना पर कुछ अंतिम टिप्पणियाँ करनी हैं, और फिर हम आमोस की ओर बढ़ना चाहते हैं। योना के अंतिम अध्याय में वह अभिव्यक्ति, जो लोग अपने दाहिने हाथ को अपने बाएं हाथ से नहीं पहचान सकते, वह एक दिलचस्प अभिव्यक्ति है, और कुछ लोगों ने इसे शाब्दिक रूप से लेने का प्रयास किया है, और मुझे लगता है कि अगर आप इसे शाब्दिक रूप से लेते हैं, तो इसका मतलब होगा, आप जानते हैं, आप एक छोटे बच्चे की तरह हैं जिसे हाथ से पकड़ना पड़ता है क्योंकि अगर कोई कहता है कि बाएं या दाएं मुड़ो, तो आप अभी भी इसे ठीक से नहीं समझ पाते हैं। भ्रम की स्थिति है।

और इसलिए, कुछ लोगों ने यह कहने की कोशिश की है कि ये 120,000 लोग जो अपने दाहिने हाथ को अपने बाएं हाथ से नहीं पहचान सकते, वे सिर्फ किंडरगार्टन के बच्चे हैं या उम्र में उससे कम, जो कि निनवे के लिए एक बड़ी आबादी रही होगी। मैं पसंद करता हूँ, और मुझे लगता है

कि लेखक सभी सबूतों को एक साथ रखने से संकेत देता है, पुरातत्व और यह मेरिज्म, बाएं से दाएं, संकेत देता है कि लोग खो गए हैं। अभिव्यक्ति का यही मतलब है।

वे शारीरिक रूप से वयस्क हो सकते हैं, अर्थात् निनवे के लोग, लेकिन चरित्र में, वे असहाय, अज्ञानी, खोए हुए और ईश्वर के दयालु प्रेम की आवश्यकता वाले हैं। इसलिए, मैं इसे एक अलंकार के रूप में लूंगा, उनके दाहिने हाथ को उनके बाएं हाथ से नहीं पहचानना। तो, योना की पुस्तक ईश्वर की दया और ईश्वर के सार्वभौमिक प्रेम के बारे में एक पुस्तक है।

और मुझे संदेह है कि अगर मुझे इस पुस्तक के कुछ बड़े विषयों को संक्षेप में बताना हो, तो निश्चित रूप से यह पहला विषय होगा, कि परमेश्वर को न केवल अपने वाचा के लोगों, इस्राएल, बल्कि सभी लोगों की चिंता है। और वह अपने सेवकों से कहता है कि वे उनके पास जाएँ और परमेश्वर की दया और प्रेम को उनके साथ बाँटें। मुझे लगता है कि यह पुस्तक हमें यह भी याद दिलाती है कि हमें पुराने नियम की आवश्यकता क्यों है।

चूँकि हम किरदारों से खुद को जोड़ पाते हैं क्योंकि हम भी उनके जैसे ही होते हैं, इसलिए मनुष्य, आम तौर पर, अक्सर जिद्दी स्वभाव के होते हैं। और जब कोई मुश्किल काम आता है, तो वे भागना पसंद करते हैं, वे अंत तक दौड़ना पसंद करते हैं, वे जिम्मेदारी से बचना पसंद करते हैं, वे दूर चले जाते हैं या किसी दूसरी दिशा में चले जाते हैं।

और यहाँ भगवान ने योना को, बेशक, दूसरा मौका दिया और उस विशेष मामले में अपनी नैतिक विफलता से निपटने के बाद उसे फिर से नियुक्त किया। साथ ही, मुझे लगता है कि यह पुस्तक विशेष रूप से तब महत्वपूर्ण है जब हम सुसमाचार और यीशु की ओर बढ़ते हैं क्योंकि, फिर से, यह हमें दिखाता है कि पुराने नियम में प्रकृति को कौन नियंत्रित करता है। एक बहुदेववादी दुनिया में जहाँ प्रकृति की पूजा कनानियों और फोनीशियनों द्वारा की जाती थी, बाल मौसम का देवता था।

वह उर्वरता, फसलों का अंकुरण, तथा मिट्टी और गर्भ की उत्पादकता लेकर आया। अब हम देखते हैं कि इस्राएल का परमेश्वर प्रकृति को नियंत्रित कर रहा है। वह इसका पर्यायवाची नहीं है, लेकिन वह इस पर प्रभुता रखता है।

और हम इसे मछली में, लौकी में, लौकी के मुरझाने में और कुछ अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों में निश्चित रूप से देखते हैं। अंत में, इस पुस्तक का एक और मुख्य विषय, जो फिर से विषयगत रूप से हिब्रू बाइबिल के कई स्थानों, विशेष रूप से भजनों में उठाया गया है, वह है कि क्या दुनिया में कोई ऐसी जगह है जहाँ आप उसकी उपस्थिति से भाग सकते हैं। इसका उत्तर है नहीं। ईश्वर की सर्वव्यापकता।

और जैसा कि भजनकार कहते हैं, भले ही आप अधोलोक , कब्र तक चले जाएँ, वहाँ भी, परमेश्वर का हाथ आप पर है। इसलिए, यह पुस्तक फिर से प्राचीन निकट पूर्वी सभ्यताओं के विश्वास का अपमान करती है। उनके पास ऐसे देवता थे जो प्रकृति के विशेष क्षेत्रों को नियंत्रित करते थे, जीवन के विभिन्न पहलुओं को नियंत्रित करते थे।

या फिर वे अपने राष्ट्रीय देवता थे और अपने क्षेत्र को नियंत्रित या संरक्षित करते थे। अब हमारे पास एक सार्वभौमिक ईश्वर है जिसे शेमेश, सूर्य, उरेयाच, चंद्रमा, रेशेफ, प्लेग, मोट या मृत्यु नहीं कहा जाता है। वह बस है, और मुझे लगता है कि कुछ जानबूझकर किया गया है, योड-हेह-वव-हेह।

वह जो सक्रिय रूप से मौजूद है। यही इस शब्द का अर्थ है। वह हर जगह है।

उनकी उपस्थिति ब्रह्मांड में व्याप्त है। और वह वास्तव में इराक में, जहाँ निनवे है, और साथ ही इजराइल की मातृभूमि में भी हो सकते हैं। वह केवल क्षेत्र तक ही सीमित नहीं थे।

नियंत्रण। परमेश्वर की सर्वव्यापकता। अब, मैं आमोस की पुस्तक पर आगे बढ़ना चाहूँगा।

क्या आप योना के बारे में कुछ कहना चाहेंगे? आपको एक मौका देना चाहता हूँ। क्या आपके कोई सवाल हैं? चलिए मैं आमोस की बात पर आता हूँ। फिर से बड़ी तस्वीर।

बाइबल में तीन भविष्यवक्ता हैं जो इस बात पर अपना प्राथमिक जोर देते हैं कि वे उत्तरी राज्य या इस्राएल से कहाँ से निकले हैं। फिर से, याद रखें कि सुलैमान की मृत्यु पर, राज्य विभाजित हो गया। बाइबल में उत्तरी राज्य को उत्तरी राज्य नहीं कहा गया है।

इसे बस इसराइल कहा जाता है, जिसमें उत्तरी जनजातियाँ और यहूदा, दक्षिणी राज्य शामिल थे। उत्तरी राज्य किस राष्ट्र के अधीन होगा? असीरिया। 722-721, सामरिया का पतन।

दस जनजातियाँ असीरियन साम्राज्य के सुदूर इलाकों में निर्वासित हो जाती हैं। 586 में दक्षिणी साम्राज्य बेबीलोन के हाथों में चला जाता है। यह पुराने नियम के इतिहास की सबसे महत्वपूर्ण तारीख है।

ठीक है, तो उत्तरी राज्य के हमारे भविष्यवक्ता स्पष्ट रूप से 721 से पहले के भविष्यवक्ता हैं। और उत्तरी राज्य का राजा जिसका नाम हमने 2 राजा 14 के अंश में योना से जोड़ा था, वह था? यारोबाम। तो, हम 8वीं शताब्दी ईसा पूर्व के पहले भाग के बारे में बात कर रहे हैं।

योना, गलील में, गथ-हेफर से विदेशी मिशनरी था। दूसरी पुस्तक जिस पर हम विचार करेंगे वह आमोस होगी। अब, आमोस इस्राएल से नहीं था, लेकिन वह भविष्यवाणी करने के लिए इस्राएल आया था।

वह यरूशलेम के दक्षिण में स्थित इस छोटे से शहर से आया था। क्या आप कभी टेकोआ फॉल्स, जॉर्जिया गए हैं? बोस्टन में, हम कहते हैं टेकोआ फॉल्स, जॉर्जिया। और आप पूछते हैं, बड़ा विचार क्या है? ठीक है, टेकोआ।

यरूशलेम से लगभग 12 मील दक्षिण में, बेथलेहम से 6 मील दक्षिण में एक छोटा सा शहर। इलिनोइस में व्हीटन कॉलेज को कई वर्षों तक वहाँ खुदाई करने के लिए पुरातात्विक

विशेषाधिकार दिए गए थे। इसलिए, यह एक वास्तविक शहर है जिसे आधुनिक इज़राइली पुरातत्वविदों ने भेड़ों के देश में पाया है।

और वहाँ 6 मील दूर बेथलहम से एक चरवाहा लड़का था जिसने बाइबल में अपना नाम बड़ा कर लिया। वहाँ से 6 मील उत्तर में। जेसी का सबसे छोटा बेटा।

ठीक है, तो, यह क्षेत्र भेड़ पालन के लिए अच्छा है। और हो सकता है कि इसके और आमोस के व्यवसाय के बीच कोई संबंध हो। टेकोआ का यह किलाबंद शहर, जो यहूदिया के पहाड़ी इलाके में है, लगभग 3,000 फीट ऊँचा है।

और पहाड़ी क्षेत्र हेब्रोन में अपने चरम पर पहुँचता है, जो लगभग 3,300 फीट है। हेब्रोन बाइबिल के महान अंगूर उगाने वाले क्षेत्रों में से एक है, जहाँ उन्हें हर साल रात में ओस से अतिरिक्त संख्या में इंच बारिश मिलती है क्योंकि यह 3,300 फीट की ऊँचाई पर है।

जहाँ यरूशलेम, 25 मील उत्तर में, 2,600, 2,700 फीट ऊँचा है। 1:1 के अनुसार, आमोस एक चरवाहा या चरवाहा है। और वह टेकोआ के चरवाहों में से एक है। अब फिर से, बाइबल के बारे में आश्चर्यजनक बात यह है कि परमेश्वर जिन लोगों का उपयोग करता है।

भूतपूर्व कर संग्रहकर्ता, चिकित्सक, चमड़े के कारीगर और चरवाहे। उनमें से बहुत से चरवाहे थे। मूसा ने अपने जीवन के 40 साल अपने ससुर, जेथ्रो के लिए भेड़ चराने में बिताए।

आमोस। यहाँ आमोस से जो बहुत से रूपक निकलेंगे, वे चरवाहे के जीवन से निकलेंगे जो आमोस ने भेड़ों के साथ अनुभव किया था। और फिर, प्रेरणा का मानवीय पक्ष बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि आप इसे नए नियम में देखते हैं।

किसी भी अन्य सुसमाचार लेखक की तुलना में धन के बारे में सबसे अधिक बात कौन करता है? यह लेवी या मैथ्यू है। महिलाओं के बारे में सबसे अधिक बात कौन करता है? यह ल्यूक है। हो सकता है कि एक चिकित्सक के रूप में उसका महिलाओं के साथ अधिक संपर्क रहा हो।

पॉल किसी और से ज़्यादा एथलेटिक प्रतियोगिताओं के बारे में बात करता है क्योंकि वह आधुनिक तुर्की, तरसुस से आया था, जो भूमध्य सागर के उत्तर-पश्चिमी कोने या उत्तर-पूर्वी कोने में है। इसलिए, वह रोमन खेलों से परिचित था। इसलिए, वह दौड़ में भाग लेने, पुरस्कार प्राप्त करने, ताज पहनाए जाने के बारे में बात करता है।

यह पॉलिन एथलेटिक भाषा है जिसका उपयोग पवित्र आत्मा पॉल को अपनी बात समझाने के लिए करता है। और यहां तक कि गॉर्डन कॉलेज की सालाना किताब का नाम भी इसी व्यवसाय से लिया गया है। हुपर्ट और निकोलमेन।

रोमियों 8. 38 और 39. हम विजयी से भी बढ़कर हैं। हम अपनी जीत में आगे बढ़ रहे हैं। हाइपरनिकॉन। उसके द्वारा जो हमसे प्रेम करता है। ठीक है, तो बाहर से संबंधित देहाती रूपकों की अपेक्षा करें।

1:1 में वह खुद को चरवाहों में गिनाता है। और, बेशक, अध्याय 7 में आत्मकथात्मक भाग में, जब वह बेथेल के पुजारी अमाज्याह से भिड़ रहा है। अमाज्याह कहता है, यहूदा वापस जाओ।

तुम यहाँ उत्तरी देश में हो। वहाँ टेकोआ में रहो। यहाँ भविष्यवाणी मत करो।

हमारे साथ खिलवाड़ मत करो। और, ज़ाहिर है, उसके पास उत्तरी राज्य के शासन के बारे में कहने के लिए कुछ बहुत ही बुरी बातें थीं। उसने कहा, यारोबाम, वह यारोबाम नंबर दो है, तलवार से मारा जाएगा।

इस्राएल को निश्चित रूप से निर्वासन में जाना पड़ेगा। और वास्तव में, बेतेल के पुजारी अमस्याह ने कहा है, तुम्हारी पत्नी वेश्या बन जाएगी। और तुम्हारी बेटियाँ तलवार से मारी जाएँगी।

अब अगर आज कोई व्हाइट हाउस से बाहर निकलकर मौजूदा प्रशासन या किसी भी प्रशासन के बारे में ऐसी बातें कहने लगे, तो आप सिर्फ़ अवांछित व्यक्ति नहीं रह जाएंगे। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को उससे कहीं ज़्यादा गंभीरता से लिया जाएगा। जैसा कि अब्राहम हेशेल ने अपनी किताब द प्रोफेट्स में लिखा है, उम्मीद है कि आप इस शब्द को अच्छी तरह से जान पाएंगे।

उनका कहना है कि लोगों ने पैगम्बरों को कभी-कभी बदरिश्त कर लिया, क्योंकि उनका संदेश चुभता था। वे कभी-कभी देशद्रोही, सरकार को कमज़ोर करने वाले और देशद्रोही नज़र आते थे। और उन्होंने बस इसे यूँ ही चलने दिया।

मैं इसे ऐसा ही कहता हूँ। तो भविष्यवक्ता घटिया घरेलू मेहमान होते हैं। वे बहुत परेशान करने वाले लोग होते हैं।

वे यथास्थिति को बिगाड़ते हैं। आमोस उत्तरी राज्य के कुछ भ्रष्टाचार को उजागर करता है और उसका जुड़वाँ भाई, जो उस समय उत्तरी राज्य में बड़ा हुआ था, जो होशे था। मैं उसे जुड़वाँ कहता हूँ क्योंकि होशे ने आमोस के साथ ही भविष्यवाणी की थी।

और वे उस समय अपने भविष्यवक्ता मंत्रालय के संदर्भ में सहकर्मी या जुड़वाँ थे। एक दूसरे की प्रशंसा करता था। और हमने उस समय उत्तरी राज्य में नैतिक, धार्मिक और राजनीतिक भ्रष्टाचार के बारे में कुछ सीखा, जिसे इन दोनों भविष्यवक्ताओं, आमोस और होशे ने संबोधित किया था।

आमोस शब्द का अर्थ है बोझ। और, ज़ाहिर है, भविष्यवक्ताओं के पास गिराने के लिए बम थे। उनके पास उतारने के लिए बोझ थे।

और, बेशक, परमेश्वर के लोग वे लोग थे जिन्होंने जो कुछ भी किया उसका सीधा प्रहार झेला। आमोस, इस अवधि में हम जितने भी भविष्यवक्ताओं का अध्ययन करेंगे, वे सामाजिक न्याय के भविष्यवक्ता हैं। और जबकि हमारे कई भविष्यवक्ताओं ने सामाजिक न्याय के पहलुओं पर टिप्पणी की है, आमोस, शायद किसी भी अन्य की तुलना में, अमीर और गरीब के बीच असमानता को उजागर करने में वास्तव में चिंतित है।

यह पुस्तक, एक तरह से, यीशु के अनुसार उन दो स्तंभों में से दूसरे स्तंभ पर टिप्पणी है, जिन पर सब कुछ टिका हुआ है। बाइबल की पहली पाँच पुस्तकों में 613 आज्ञाएँ हैं। और उनमें से एक, यीशु कहते हैं, दूसरी आज्ञा दूसरों की देखभाल करने से संबंधित है।

हे इस्राएल, सुन, हमारा परमेश्वर यहोवा एक है, और तू उससे अपने पूरे मन से प्रेम रखना। और दूसरा चरण है अपने पड़ोसी से अपने समान प्रेम रखना। लैव्यव्यवस्था 19:18 इसलिए यीशु ने उन दो आज्ञाओं को एक साथ रखा कि परमेश्वर से प्रेम करो और अपने साथी मनुष्यों से प्रेम करो।

और वह उन दो मित्रवोट पर कहता है, उन दो आज्ञाओं में सभी कानून और भविष्यद्वक्ता शामिल हैं। और इसलिए, आमोस हमें कुछ खास बातें बताता है कि अपने पड़ोसी से प्यार करने का क्या मतलब है। वैसे, यह सिर्फ़ मती 19 में यीशु ही नहीं है जो कहता है कि अपने पड़ोसी से अपने जैसा प्यार करो।

लेकिन रोमियों 13, आयत 9 में पौलुस पड़ोसी से प्रेम करने की बात करता है। पौलुस उच्च-ऑक्टेन धर्मशास्त्र, रोमियों 1-11 से निपटता है। फिर वह व्यावहारिक, रोमियों 12-16 में प्रवेश करता है।

रोमियों के अध्याय 12 में यूनानी भाषा में 40 अनिवार्य बातें हैं। उनमें से कुछ बहुत ही व्यावहारिक हैं। मेहमाननवाज़ी दिखाइए।

और वह अगले अध्याय, अध्याय 13 पर आगे बढ़ता है। वह कहता है कि अपने पड़ोसी से अपने समान प्रेम करो। पॉलिन नैतिकता, इसका बहुत कुछ रोमियों 12-16 से लिया गया है, जिसमें अपने पड़ोसी से अपने समान प्रेम करना शामिल है।

9-11 की तारीख़, बहुत से लोगों के लिए, उस समय की याद दिलाती है जब हमारे देश पर हमला हुआ था। यह उन तारीख़ों में से एक है जहाँ कभी-कभी लोग पूछते हैं, आप कहाँ थे? जब कैनेडी को गोली मारी गई थी, तब आप मेरी पीढ़ी के लोग कहाँ थे? मैं वास्तव में बैरिंगटन कॉलेज में अपने पहले साल में पढ़ा रहा था। दरवाज़ा खुला।

एक छात्र ने क्लास में बीच में ही टोकते हुए कहा, कैनेडी को गोली मार दी गई है। बेशक, किसी ने भी यह नहीं सुना होगा, क्योंकि मैं वैसे भी बाकी घंटे यही कहता रहूँगा। तो क्लास यहीं खत्म हो गई।

9-11, मेरा एक पैर उस हवाई जहाज़ में था जहाँ मैं उड़ान भरने जा रहा था, और अचानक, हवाई अड्डे पर सभी अलार्म बजने लगे, इसलिए मैंने अपना बोर्डिंग पास नीचे गिरा दिया और हवाई अड्डे से बाहर भाग गया। क्योंकि मैंने बार में एक बड़ी टेलीविज़न स्क्रीन पर एक इमारत को जलते हुए देखा जहाँ गेट था, मैं हवाई जहाज़ में चढ़ गया था। मुझे खुशी है कि मैंने बोर्डिंग पास नीचे गिरा दिया और भाग गया क्योंकि वह उड़ान भरने का समय नहीं था।

वास्तव में, कई दिनों तक सब कुछ ठप्प रहा। मैं इसका उल्लेख इसलिए कर रहा हूँ क्योंकि, अमोस ने जिस तरह से चीजों को भूकंप से जोड़ा है, वह दिलचस्प है।

भूकंप, जो उनकी भविष्यवाणी के दो साल पहले हुआ था, भूकंप से दो साल पहले हुआ था जब उज्जियाह यहूदा का राजा था और यारोबाम इसराइल का राजा था। इसलिए, उन्होंने इस बात की बहुत सावधानी से परिभाषा दी है कि यह कब हुआ था। संभवतः लगभग 765 ईसा पूर्व, जब वे दोनों राजा भविष्यवाणी कर रहे होंगे।

इसलिए, संभवतः, यदि वह अपने स्वयं के मंत्रालय को भूकंप से जोड़ता है, जो कि 9-11 से चीजों को डेटिंग करने जैसा है, तो वह भूकंप अमोस की भविष्यवाणी को लगभग 765 से 750 तक ले जाएगा। ये लगभग उसकी तिथियाँ हैं, 8वीं शताब्दी के मध्य में। वह, व्यवसाय के रूप में, केवल एक चरवाहा नहीं है, जो उसे चरवाहे के रूप में काम करने के लिए टेकोआ की पहाड़ियों पर ले गया होगा।

इस समय एक चरवाहा एक समय में अधिकतम 90 या 100 भेड़ों की देखभाल कर सकता था। यह भी हो सकता है कि इन भेड़ों को आम तौर पर कतरने से पहले धोया जाता था, इसलिए उसे उत्तरी राज्य के ऊन के बाज़ारों में ले जाया जाता था। हम जानते हैं कि उत्तरी राज्य उस समय समृद्ध था क्योंकि सामरिया एक बड़ा व्यापारिक केंद्र था जहाँ प्राचीन निकट पूर्व का माल आता था।

हमारे पास हार्वर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस द्वारा प्रकाशित पुस्तकों की एक श्रृंखला है, जिसका नाम है द आइवरीज ऑफ सामरिया। 100 साल से भी ज़्यादा पहले, वहाँ हाथीदांत की खुदाई की गई थी, जो यह दर्शाता है कि वहाँ एक अमीर व्यापारी वर्ग था, जो संभवतः ऊपरी फ़रात में हाथीदांत के लिए हाथियों के व्यापार के अंत में शामिल था। हम जानते हैं कि 8वीं शताब्दी तक ऊपरी फ़रात में हाथी थे।

और फिर सब कुछ रुक गया और 8वीं शताब्दी ईसा पूर्व के बाद इज़राइल में आने वाला सारा हाथीदांत अफ्रीका से आया। लेकिन अमोस उन लोगों के बारे में बात करता है जो अपने घरों को हाथीदांत से सजाते हैं या जो हाथीदांत से सजे बिस्तरों पर लेटते हैं। तो, इस समय हाथीदांत के इस्तेमाल के ये छोटे-छोटे संकेत हमें उस आदमी के बारे में बताते हैं जो रात में तारों के नीचे बस अपने लबादे में लिपटा रहता था।

वह वहाँ एक चरवाहा था जो अपनी भेड़ों की देखभाल करता था। और वह अपने समय के अमीर और गरीब के बीच इस बड़े अंतर को देखकर हैरान था। उसके पास बागवानी से संबंधित एक और मौसमी पेशा भी था।

और 7:14 में, यह कहा गया है, मैंने गूलर के पेड़ों की देखभाल की। ये शब्द अमस्याह के सामने खुद को परिभाषित करते हुए उसके शब्द थे। इसलिए, संभवतः उसने गूलर के पेड़ों को काटने या काटने का काम करके अपनी आय को बढ़ाया।

मेरा क्या मतलब है? वैसे, बाइबल के समय में अंजीर एक प्रमुख उत्पाद था। और फल को पकाने के लिए, आपको इसे छेदना पड़ता था। आप या तो प्रत्येक अंजीर को अपनी उंगलियों से दबाकर ऐसा कर सकते थे या अंजीर को चीरकर कड़वा रस निकाल सकते थे और हानिकारक कीड़े बाहर निकल सकते थे।

गूलर के पेड़ के फलों से निपटने के अलावा, वह शायद पेड़ों की देखभाल, उनकी छंटाई और अन्य कामों में भी शामिल रहा होगा। इसलिए, वह एक बाहरी व्यक्ति था। इसलिए, संक्षेप में, आमोस दक्षिणी राज्य से था, जिसे परमेश्वर ने उत्तरी राज्य में जाने के लिए बुलाया था ताकि वह उत्तरी राज्य के प्रमुख स्थानों में से एक, बेथेल में प्रचार कर सके।

इस्राएल के स्वर्ण बछड़े की पूजा के मुख्य केंद्रों में से एक। इस आदमी को याद करें, यारोबाम नंबर एक, जो राजा सुलैमान के अधीन प्रशासक था? उसने कुछ अपमानजनक काम किया, और बाइबल हमें यह नहीं बताती कि वह क्या था।

उसने सुलैमान को बहुत परेशान कर दिया, और इसलिए उसे अपनी जान बचाने के लिए भागना पड़ा। क्या आपको पता है कि वह कहाँ भागा? मिस्र में। मिस्र में, उसने संभवतः बैल और बछड़े की पूजा के बारे में सीखा और इस विषय को अपनाया, जो रब्बी के दिमाग में, इस्राएलियों द्वारा किया गया सबसे बुरा और सबसे जघन्य पाप बन गया।

शायद ऐसा इसलिए है क्योंकि हर साल टोरा में इसका जिक्र आता है, जब उन्होंने अपनी सारी बालियाँ और अन्य चीज़ें डालीं, और हारून का सुनहरा बछड़ा, मिस्र से बाहर आने के कुछ ही समय बाद, फिर से उस बुतपरस्त माहौल को दर्शाता है। तो, यहाँ मिस्र में यारोबाम है। वह क्या कर रहा है? बेथेल में और साथ ही उत्तरी सीमा पर, यहाँ दान क्षेत्र में, जहाँ आप जा सकते हैं और, पुरातात्विक रूप से आज, संभवतः यारोबाम द्वितीय के अधीन उसी स्थल को देख सकते हैं, माउंट हरमोन की तलहटी में इस खूबसूरत प्रकृति के संरक्षण में, जो पूरी तरह से सही समझ में आता है यदि आप एक बहुदेववादी बनना चाहते हैं, क्योंकि आप खुद को प्रकृति की पूजा में शामिल करने जा रहे हैं।

बैल प्रजनन क्षमता का प्रतीक था। एल के लिए उगारिटिक साहित्य में क्या विशेषण था, जो उस देवमंडल का मुखिया है जिसमें बाल छोटे सदस्यों में से एक था, लेकिन बाइबिल में उसे सबसे ज़्यादा प्रेस मिलती है? उसका विशेषण बैल है क्योंकि वह देवताओं का पूर्वज है।

तो, यह उत्तरी राज्य में मूर्तिपूजक पूजा है। आमोस के उपदेश ने काफी विरोध पैदा किया, क्योंकि वह उत्तरी राज्य के दृष्टिकोण से उत्तर में हस्तक्षेप कर रहा था। जैसा कि मैंने संकेत दिया, कई रूपक प्रकृति से आते हैं।

आपको इन्हें लिखने की ज़रूरत नहीं है, लेकिन मैं किताब पढ़ते समय इनमें से कुछ का जिक्र करूँगा। थ्रेशर की लोहे की स्लेज, फ़सल की गाड़ियाँ, बैलों की जुताई, गर्मियों के फलों की टोकरियाँ, हुक और मछुआरों के जाल, हल चलाने वाले, काटने वाले, अंगूर काटने वाले, बगीचे और अंगूर के बाग, टिड्डे, तूफ़ान, देवदार, ओक, जंगल में दहाड़ता हुआ भूखा शेर, एक चिड़िया,

भेड़ को बचाते हुए चरवाहा, आंशिक बारिश, सूर्य ग्रहण, प्लीएडेस और ओरियन, तारे, और भूकंप जो किताब को खोलता है जब उसने भविष्यवाणी की। हर कोई भूकंप को याद करता है।

और वास्तव में, जकर्याह 14.5, आमोस के दिन से ढाई शताब्दी बाद, यह वही भूकंप हो सकता है जिसे याद किया गया। वैसे, वह पूरा क्षेत्र एक दोष का हिस्सा है। और बस इतना ही कि आपको बाइबल की भूमि की बड़ी तस्वीर मिल जाए, यहाँ से एक दोष है जो गैलिली सागर से मृत सागर में अकाबा की खाड़ी तक और अफ्रीका में कंसरिफ़ घाटी तक जाता है, जो पृथ्वी पर सबसे बड़े छिद्रों में से एक है।

और, बेशक, गैलील सागर और मृत सागर मूल रूप से जॉर्डन घाटी में जुड़े हुए थे जब ग्लेशियर पीछे हट गए और इसी तरह की अन्य घटनाएँ हुईं। इसलिए आज आपको गैलील सागर में मछलियों की 43 प्रजातियाँ मिल जाएँगी, जिनके बारे में इचिथोलॉजिस्ट सिर्फ़ गैलील सागर में ही जानते हैं और कहीं और नहीं। बेशक, धरती पर सबसे निचला स्थान मृत सागर का तल है, जो आधा मील गहरा है, मृत सागर के तल से लगभग 2,600 फ़ीट की दूरी पर है।

तो, यह पूरा क्षेत्र भूकंपों से ग्रस्त था, जिनमें से एक वह साधन हो सकता है जिसका उपयोग परमेश्वर ने इस्राएल को वादा किए गए देश में आने के लिए किया था, है न? क्योंकि जॉर्डन पर बांध बनाया गया था, और इस्राएल के इतिहास में ऐसे कई बांध हैं जिन्होंने जॉर्डन नदी पर बांध बनाए हैं। ठीक है, तो वह एक बाहरी व्यक्ति है, और वह प्रकृति से चीजों को आकर्षित करता है। वैसे, उसे इतिहास का भी ज्ञान है, जैसा कि मैं बताऊँगा, जहाँ वह नाज़रियों जैसी चीजों को जानता है और बाइबिल के इतिहास के शुरुआती चरणों से कई अन्य दिलचस्प चीजों का उल्लेख करता है।

यहाँ दिए गए पाठ के अनुसार, जंगल में भटकना भी उसके ज्ञान का हिस्सा है। वादा किए गए देश में, इस्राएल के पुराने इतिहास के बारे में जानने के कुछ मुख्य केंद्र थे... आमोस ने यह सब कहाँ सीखा? आप कह सकते हैं कि अपने माता-पिता से। खैर, यह सच हो सकता है।

लेकिन लोगों को जो कुछ पता था, उसके लिए मुख्य शिक्षण स्थल कौन से थे, जैसे कि पितृसत्तात्मक काल, जो इससे लगभग एक सहस्राब्दी पहले था? क्या किसी के पास कोई विचार है? मंदिर। आमोस के पास मंदिर तक पहुँच थी, लेकिन उत्तर की ओर के लोगों के पास नहीं थी, इस समय के दौरान नहीं। लेकिन मंदिर से जुड़ी कुछ शिक्षाएँ रही होंगी।

लेकिन आप सही दिशा में जा रहे हैं। याद रखने वाली मुख्य बातों में से एक यह है कि 12 जनजातियों में 48 शिक्षण केंद्र फैले हुए थे। और जब आप यहोशू की पुस्तक पढ़ते हैं तो आपको लेवियों के लिए इन शहरों के नाम दिए गए हैं ताकि वे अपनी भूमि के नुकसान की भरपाई कर सकें।

लेवी नाम की कोई जनजाति नहीं थी। और पुजारी शिक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण स्रोत बन गए। ये शिक्षण केंद्र थे।

और इसलिए लेवियों ने इस जानकारी को आगे बढ़ाया। सीखने का एक और स्रोत निश्चित रूप से ज्ञान परंपरा रही होगी। ऋषियों, इस्राएल के हखाम ने इस्राएलियों को न केवल इस्राएल के इतिहास में, बल्कि जीवन के बारे में कुछ व्यावहारिक टिप्पणियों और जीवन के कुछ महान अस्तित्ववादी दार्शनिक मुद्दों से जूझने में निर्देश दिया।

संभवतः ज्ञान का सबसे बड़ा स्रोत पारिवारिक दैवज्ञ था। चूँकि घर में हर पिता को एक तरह से जीवित बाइबल होना पड़ता था, इसलिए आप लिखित परंपरा पर निर्भर नहीं रह सकते थे।

वहाँ इतने सारे स्कॉल नहीं थे जिन्हें इधर-उधर ले जाया जा सके। और इसलिए, लोग कैम्पफ़ायर के चारों ओर बैठते थे और मौखिक परंपरा के ज़रिए निर्देश और शिक्षा दी जाती थी। विलियम फॉक्सवेल अलब्राइट, जो सबसे महान अमेरिकी हैं, वास्तव में उन्हें 20वीं सदी में अमेरिकी बाइबिल पुरातत्वविदों का डीन कहा जाता है, ने जॉन्स हॉपकिंस विश्वविद्यालय में 31 साल तक पढ़ाया।

उन्होंने अपनी पुस्तक, फ्रॉम स्टोन एज टू क्रिस्चियनिटी में कहा है कि पुराने नियम के समय में लिखित पाठ स्मृति का विकल्प नहीं था। यह स्मृति के लिए मार्गदर्शक था। अलब्राइट का कहना है कि यह बहुत हद तक मौखिक संस्कृति थी।

और हम इसे भूलना नहीं चाहते। लिखित पाठ, जहाँ वह उपलब्ध था, आपकी स्मृति के लिए मार्गदर्शक के रूप में काम कर सकता था। लेकिन जैसा कि तल्मूड कहता है, सबसे बड़ा शिक्षार्थी कौन है? वह नहीं जो अपने पाठ को रब्बी को सौ बार या ऋषि को सौ बार याद करके दोहरा सकता है, बल्कि वह जो इसे सौ एक बार दोहरा सकता है।

तो, मौखिक परंपरा, जिसे हम उस एक शब्द, मिश्राह में कैद करते हैं। मिश्राह का मतलब है इसे फिर से कहना। इसका यही मतलब है। इसे दूसरी बार करें। मिश्राह। दो बार। इसे दोहराएँ। दोहराव। इसी तरह लोगों ने सीखा।

एक अच्छी तरह से प्रशिक्षित और चौकस स्मृति बहुत महत्वपूर्ण है। मेरी माँ मैसाचुसेट्स में सार्वजनिक स्कूल प्रणालियों में उस परंपरा का हिस्सा थीं, जहाँ बच्चे व्याकरण स्कूल जाते थे, उन्हें लंबी कविताएँ और महान राजनीतिक भाषण याद करने होते थे। यह परंपरा का हिस्सा था, जो पिछले कुछ सालों में हमारे पास और भी ज़्यादा है।

ठीक है। तो, मैंने संकेत दिया कि इस समय उत्तरी राज्य में कई चीजें चल रही हैं। अमीर लोग और अधिक अमीर होते जा रहे हैं।

धन-संपत्ति पर कुछ लोगों का नियंत्रण होता है, जो लगातार अपने जीवन स्तर को सुधारने की कोशिश में लगे रहते हैं। आमोस का 3:10 उन लोगों के बारे में बताता है, जो अपने किलों में धन इकट्ठा करते हैं, लूटते हैं और लूटमार करते हैं। 3:12 बिस्तरों और सोफ़ों के बारे में बताता है।

बिस्तर और सोफ़े? हाँ, आप बोस्टन में हंटिंगटन एवेन्यू में जा सकते हैं और देख सकते हैं कि फिरौन के पास बिस्तर थे। औसत व्यक्ति भेड़ की खाल में लिपटा रहता था, भले ही ठंड हो, या

एक लबादा, और हर रात जमीन पर सोता था। बाइबल के समय में औसत परिवार इसी तरह रहता था।

लोगों के पास गद्दे, बिस्तर नहीं थे, और आमोस, बेशक, ऐसा ही था। इसलिए यहाँ तुलना उन लोगों से की गई है जिनके पास सर्दियों के घर और गर्मियों के घर हैं और जो अपने घरों को हाथीदांत से सजाते हैं और उनके घर और हवेली। 3.15, यह आमोस की चिंता है।

ऐसा इसलिए नहीं है क्योंकि पैसा गलत है, बल्कि इसलिए है क्योंकि लोग अपना सारा समय धन कमाने में लगा देते हैं और इतने व्यक्तिगत रूप से केंद्रित हो जाते हैं कि उनके आस-पास के लोग पीड़ित हो जाते हैं। और वह स्वार्थ, वह कंजूसी, परोपकार की कमी, जिसकी प्रशंसा सुसमाचारों में यीशु ने की है। पहाड़ी उपदेश में, यीशु कहते हैं, एक आयिन टोवा रखें।

यही आपके पास है। अब, आइन एक हिब्रू शब्द है जिसका अर्थ है आँख, और टोवा का अर्थ है अच्छा। यीशु कहते हैं, अच्छी नज़र से दान करें।

इसका मतलब है कि कंजूस नहीं होना चाहिए बल्कि खुले, स्वतंत्र, उदार और दानशील होना चाहिए। आधुनिक इज़राइल में, जब वे आज कैंसर सोसाइटी के लिए पैसे इकट्ठा करते हैं, और वे किसी दरवाज़े पर दस्तक देते हैं, तो वे हिब्रू में कहते हैं, अगर वे आपके लिए दान करने के लिए कोई डिब्बा पकड़ रहे हैं, तो अच्छी नज़र से दें। खैर, यह हिब्रू मुहावरा गॉस्पेल में पाया जाता है, जो कि उन कारणों में से एक है जिसकी हमें उस अभिव्यक्ति में इसकी हिब्रू पृष्ठभूमि के खिलाफ गॉस्पेल को पढ़ने की आवश्यकता है।

और यह अमोस की चिंताओं में से एक थी। लोग अच्छी आँखों के साथ नहीं जी रहे थे। इसका आँखों की रोशनी या ऑप्टोमेट्रिस्ट के पास जाने से कोई लेना-देना नहीं है।

अच्छी नज़र से देने का मतलब है बुरी नज़र से देने का उल्टा। अन आइन रा'ह। बुरी नज़र का मतलब है अपनी मुट्ठी को कसकर पकड़ना।

अपने पैसे पर पकड़ बनाए रखें। कंजूस बनें। यह मूल्यों में से एक है।

उदार कला शिक्षा में हम छात्रों को क्या सिखा रहे हैं? हम लोगों को उदार, दयालु, साझा करने वाला और करुणामय बनना कैसे सिखा सकते हैं? आप करुणामय हुए बिना भी परीक्षा पास कर सकते हैं। जब मैं होलोकॉस्ट के बारे में पढ़ता हूँ, तो मैं अक्सर बताता हूँ कि हिटलर के कुख्यात एसएस लोग रात में घर आने पर उत्कृष्ट पिता थे और सप्ताहांत में अपने जर्मन चर्चों में यूचरिस्ट और प्रभु भोज की सेवा करते थे, लेकिन सप्ताह के दौरान वे हत्यारे थे और उन्होंने अपने जीवन को अलग-अलग हिस्सों में बाँट दिया था। यह एक द्वैतवादी तरह का जीवन था।

आप लोगों को मानवीय और दयालु होना कैसे सिखाते हैं? आप धर्म के नियमों का पालन कर सकते हैं, और मुझे लगता है कि अमोस को यही चिंता थी। जबकि अमीर लोग शारीरिक रूप से लोगों की हत्या नहीं कर रहे थे, वे उन्हें खत्म कर रहे थे क्योंकि वे इतने आत्ममुग्ध, इतने आत्म-सुगंधित, अपनी निजी संपत्ति और अपने स्वयं के विलासिता और आराम के जीवन पर इतने

केंद्रित थे कि धन ने उनके भीतर एक अलग भावना पैदा कर दी। और उनमें से कई अमीर लोगों ने गरीबों पर अत्याचार करके अपनी संपत्ति अर्जित की।

हमने लैटिन अमेरिका में और मुक्ति धर्मशास्त्र की उत्पत्ति में उस कहानी को देखा है, जहाँ कुछ लोग लगभग बिना किसी मेहनत के काम करने वाले लोगों के पूरे क्षेत्र को खाली कर सकते हैं ताकि अमीर लोग उन लोगों की कीमत पर और अमीर बन सकें जिन्हें उचित वेतन नहीं दिया जाता है। इसलिए, आमोस के दिनों में धर्म की उपेक्षा नहीं की जा रही थी। बल्कि इसे और विकृत किया जा रहा था।

और इसलिए, यीशु की तरह, आमोस एक सर्वोत्कृष्ट सुधारक है, जो सुधार लाने के लिए हृदय के दृष्टिकोणों पर काम करता है ताकि जब लोग अनुष्ठान, समारोह से गुजरें, तो उनका आंतरिक हृदय उसके साथ तालमेल में हो। आप रूपरेखा में देखेंगे कि मैंने आपको आमोस के लिए सामग्री का पहला मुख्य हिस्सा अध्याय एक और दो दिया है जो राष्ट्रों के खिलाफ भविष्यवाणियों से संबंधित है। उसका परिचय दिए जाने के बाद, वह भूकंप से दो साल पहले अपनी भविष्यवाणी को जोड़ता है, और फिर वह 1:2 में एक ज़ूमोर्फिज्म में चला जाता है।

आमोस ने अपने दिनों में बहुत से शेर देखे थे। वे मेमनों से बहुत प्यार करते हैं। इसलिए, वह परमेश्वर के बारे में बात करता है।

परमेश्वर राजा है। राजा न्यायाधीश के रूप में आ रहा है। प्रभु सियोन से दहाड़ते हैं, जैसे कि शेर अपने शिकार पर छलांग लगाता है।

शायद यहाँ एक रूपक है, जैसा कि मैंने कहा, एक प्राणीरूपी चित्रण जिसमें एक जानवर का उपयोग किया गया है और एक जानवर की समानता को भगवान द्वारा किए जाने वाले कार्य के लिए जिम्मेदार ठहराया गया है। भगवान अपने महल, यरूशलेम में अपने मंदिर से दहाड़ने वाले हैं। भेड़ को बचाने के लिए बहुत देर हो चुकी है।

न्याय की तत्कालता, प्रभु का यह निवास स्थान जहाँ से उसकी आवाज़ सुनी जाएगी। वह यरूशलेम से गरजता है। चरवाहों के चरागाह सूख जाते हैं।

देखिए, अब वह खुद को अपने साथी चरवाहों से जोड़ता है। जहाँ आप पानी के अधिकार और उपजाऊ घाटियों जैसे कि जेज़्रेल घाटी, एस्ड्रेलोन घाटी और मेगिडो घाटी की तलाश में इधर-उधर भाग रहे हैं। और जब आप इज़राइल के अन्न भंडार, ईश्वर-बोने वाली घाटी को देखते हैं, तो जेज़्रेल का मतलब यही है: आप वहाँ माउंट कार्मेल पर खड़े हैं।

माउंट कार्मेल भूमध्यसागरीय सूर्यास्त देखने के लिए सबसे अच्छी जगह है। माउंट कार्मेल नीचे एक खूबसूरत इमारत को देखता है जिसे बहाई लोगों ने बनाया है, जो इस्लाम की एक शाखा है। 1948 तक, इज़राइल के तट के साथ प्रमुख बंदरगाह, जो कई प्रमुख स्थानों को नहीं दिया जाता है जहाँ आसानी से बंदरगाह हो सकते हैं, वह हाइफ़ा था।

आज इज़राइल का प्रमुख बंदरगाह यहाँ अशदोद में है, जहाँ गाड़ियाँ और अन्य सामान उतारे जाते हैं, लेकिन हाइफ़ा मुख्य राजधानी हुआ करती थी और यहाँ से सामान समुद्र या भूमध्य सागर के रास्ते लाया जाता था। कार्मेल, एक बहुत ही महत्वपूर्ण शब्द है। केरेम का अर्थ हिब्रू में बाग या अंगूर का बाग है, और अंत में एल, डैनियल, माइकल, बथेल, ईश्वर का अंगूर का बाग या ईश्वर का बगीचा।

केरेम का विचार फलदायी है। और बेशक, माउंट कार्मेल, क्योंकि यह इज़राइल की भूमि में भूमध्यसागरीय तट के साथ सबसे ऊँचा स्थान था, भूमध्य सागर से आने वाली प्रचलित हवाओं को फंसाता था और इसलिए, माउंट कार्मेल को अपनी उत्कृष्ट स्थिति के कारण हर साल कई इंच अधिक बारिश मिलती थी और यह अपनी उर्वरता के कारण एक बगीचे की भूमि बन गई थी। और इसलिए, ऐसा कहा जाता है, चरवाहों के चरागाह सूख जाते हैं, और कार्मेल की चोटी सूख जाती है।

आप प्रकृति के देवता, मौसम के देवता, बाल के साथ टकराव करना चाहते हैं। एलियाह कहाँ गया? ठीक बीच में, जहाँ बाल की पूजा की जाती थी, माउंट कार्मेल पर, जहाँ से इज़राइल के अन्न भंडार, उत्तर की सबसे बड़ी उपजाऊ घाटी, साथ ही कार्मेल की ढलानें दिखाई देती थीं जो समृद्ध और हरी-भरी थीं जहाँ चरवाहे अपने झुंड ला सकते थे। तो, अगर कार्मेल सूखे के कारण सूख जाता है, तो देश में और कौन से चरागाह बचेंगे? तो मूल रूप से, वह यहाँ उत्तरी राज्य में आने वाले सूखे के आह्वान के साथ अपना हमला शुरू करता है।

और फिर, परमेश्वर सब कुछ नियंत्रित करता है। यही धर्मग्रंथ की धारणा है। सब कुछ धर्मवैज्ञानिक है।

परमेश्वर वर्षा लाता है, और परमेश्वर वर्षा को रोकता भी है। अब, ये आठ राष्ट्र, जिन्हें भविष्यवक्ता द्वारा बुलाया जाने वाला है, वह ऐसा करता है, दमिश्क के तीन पापों के लिए, यहाँ तक कि चार के लिए, एक निश्चित सूत्र में प्रस्तुत करता है। और इसलिए उनमें से प्रत्येक उस सूत्र से शुरू होता है।

तीन अपराधों के लिए, हाँ, यहाँ तक कि चार के लिए भी। हम इसे विशेष रूप से अंकगणित के कथन के रूप में नहीं लेते हैं, बल्कि, यह एक साहित्यिक उपकरण है जो संख्या को एक से बढ़ाकर एक चरमोत्कर्ष निष्कर्ष तक पहुँचने के लिए एक तरह से निर्माण करता है। अगर मैंने कहा, मेरे पास तुमसे प्यार करने के तीन कारण हैं, हाँ, चार, जिसके लिए मैं तुम्हारे लिए धरती पर कहीं भी जा सकता हूँ।

यह चार कारण हैं कि मैं तुमसे प्यार करता हूँ की तुलना में थोड़ा अधिक प्रभावी लगता है। जब आप संख्या में एक जोड़ते हैं, तो शैलीगत रूप से, यह चरमोत्कर्ष प्रभाव के लिए होता है। इसका प्रभाव अपराध पर अपराध के लिए होता है।

मानवता के खिलाफ कई अपराधों के लिए। दूसरे शब्दों में, माप पूरी थी, और यह चरमोत्कर्ष प्रभाव था क्योंकि उसने इन आठ राष्ट्रों पर प्रत्येक निर्णय को पेश किया था। वैसे, प्राचीन निकट पूर्वी साहित्य में भी आपको इसी तरह का साहित्यिक प्रभाव देखने को मिलता है।

होमर में आपको यह मिलता है। होमर ने ज़ोरदार आवाज़ का वर्णन इस तरह किया है कि जब 9,000 योद्धा या 10,000 युद्ध में चिल्लाते हैं। इलियड अध्याय 5. कनानी साहित्य में, यह बताया गया है कि उसने 66 कस्बों, हाँ, 77 शहरों पर कब्ज़ा कैसे किया।

जहाँ फिर से, आप अंक बढ़ाते हैं। हिती साहित्य में, मैंने 77 को मारा। हाँ, मैंने 88 को मारा। और यदि आप इन सामान्य प्राचीन निकट पूर्वी साहित्यिक उपकरणों से परिचित हैं, तो आप जानते हैं कि वे नीतिवचन की पुस्तक में भी कैसे प्रवेश करते हैं।

जब आप नीतिवचन 30 पढ़ते हैं, तो आपको तीन चीज़ें ऐसी मिलेंगी जो कभी संतुष्ट नहीं होतीं। चार चीज़ें ऐसी हैं जो कभी भी पर्याप्त नहीं होतीं। नीतिवचन 30, श्लोक 15.

श्लोक 18 में कहा गया है कि तीन बातें ऐसी हैं जो मेरे लिए बहुत आश्चर्यजनक हैं, चार ऐसी हैं जो मैं नहीं समझता, तथा उसके बाद दो अन्य स्थान हैं।

यह नीतिवचन 30 में पाया जाता है। बुद्धि साहित्य से एक और उदाहरण, नीतिवचन 6.16। ऐसी छह चीज़ें हैं जिनसे प्रभु घृणा करता है। सात चीज़ें उसे घृणित लगती हैं।

ठीक है। हम बाइबल को साहित्यिक दृष्टिकोण से सराह रहे हैं। अंक बढ़ाना अधिक प्रभावी है।

और इसलिए, परमेश्वर यहाँ तक पहुँच गया है। तीन अपराध हैं, हाँ, चार भी। यह पूरी तरह से व्यक्त करने के लिए कि वह इन राष्ट्रों से क्यों नाराज़ है।

दूसरा, आप देखेंगे कि इनमें से प्रत्येक बोझ में न्याय का प्रतीक अग्नि है। और सभी तत्वों में सबसे विनाशकारी, संभवतः युद्ध का प्रतीक है। और अंतिम बात जो मैंने आज की है, वह प्रत्येक मामले में है सिवाय अंतिम दो के, जो कि इज़राइल और यहूदा हैं, जो विदेशी राष्ट्र नहीं हैं, लेकिन वे आठ में शामिल हैं।

हर मामले में पाप अमानवीयता है। यह नागरिक या मानवाधिकारों का उल्लंघन है। यही तो है।

मानव अधिकारों का उल्लंघन उन क्रूरताओं में से एक है जिसका उल्लेख परमेश्वर इन शुरुआती दो अध्यायों में कर रहा है। इसलिए, विश्वासियों को मानव अधिकारों के बारे में चिंतित होना चाहिए और उन लोगों के साथ उचित सम्मान के साथ व्यवहार करना चाहिए जिन्हें परमेश्वर की छवि में मनुष्य के रूप में बनाया गया है।

आधुनिक युद्ध में भी, खेल के लिए कुछ नियम होते हैं, जैसे कि दुश्मनों के साथ कैसा व्यवहार करना है। उम्मीद है कि हमने इनमें से कुछ क्षेत्रों में कुछ प्रगति की है।

मैं बुधवार को यहां से आऊंगा।

यह डॉ. मार्व विल्सन द्वारा भविष्यवक्ताओं पर दी गई शिक्षा है। यह सत्र 11 है, योना का समापन और आमोस की शुरुआत।